Mission Shikshan Samvad

KAVYAROOP

ENGLISH

VII

Megha (A.T.)
UPS Rajau, Faridpur, Bareilly, U.P.

Lesson - 1
Thank You God

नतमस्तक होकर प्रभु आपसे,
मन की बात कहना है।
दिया आपने हमें बहुत कुछ,
धन्यवाद उनका कहना है।।

छोटे-बड़े सब प्राणी दिए,
हर वस्तु ही बिना मोल दी।
Thank you! Thank you!
God, दुनिया ये गोलम गोल दी।।

सूरज चमकाया चाँद दिया,
और दिया नीला आकाश।
चम-चम करते तारे दिए,
फूलों से कर दिया मालामाल।।

तुम्हारी इस कृपा पे प्रभु,
दिल बाग़-बाग़ हो जाता है।
कितने भाग्यशाली हैं हम,
ये सोच के दिल इतराता है।।

अब एक prayer सुन लो प्रभु,
दे दो साहस हमको अपार।
Almighty कहते तुमको,
शक्तियों का तुम हो भण्डार।।

हम सब रहें सुख शांति से,
और प्यार दिलों में भरा रहे।
न हँसे किसी के दर्द पर,
आपस में प्रेम बना रहे।।

Moral- Oh dear God.....
हम जहाँ रहें, सेवा तुम्हारी करते रहें।
मन में रहो तुम सदा हमारे,
हम रोशन जहाँ को करते रहें ....
हम रोशन जहाँ को करते रहें ......।।

Lesson – 2
The Holi Ganga

भारत की अमर धरोहर ये,
गंगा नदियों की महारानी।
जल है इसका अनुपम निर्मल,
अद्भुत- अनोखी इसकी कहानी।।

हिमालय पर बर्फीली गोमुख,
गोमुख से पिघलती चली गंगा।
बनकर झरना पर्वत से मिली,
विशाल होती चली गंगा।।

मैदानों में आयी उतर के,
गंगा फिर पहुंची हरिद्वार।
धरती का अंग-अंग खिला,
खेतों पर करती चली उपकार।।

फिर गंगा जा रुकी प्रयागराज,
बनाने को एक अद्भुत संगम।
गंगा, यमुना, सरस्वती ने,
मिलकर बनाया त्रिवेणी संगम।।

फिर शहरों को पार कर,
जन-जन का कल्याण किया।
झूम के जा मिली सागर से,
यात्रा को पूर्ण विराम दिया।

Moral --

गंगा नदी महान है,
सृष्टि की ये जान है।
साफ़ सुरक्षित रखना इसे,
भारतवर्ष की ये शान है।।

Lesson - 3
Sanjay The Brave Boy

जो ठानते हैं कुछ करने की,
डगमगाता उनका इरादा नहीं।
उनकी इच्छाशक्ति के समक्ष,
दिव्यांगता भी कोई बाधा नहीं।।

जो साहस से भर कर के मन,
बहादुर खुद को बनाते हैं।
दिव्यांगता की दुर्बलता को,
मन की शक्ति से हराते हैं।।

संजय एक हादसे में,
खो बैठा आपने दोनों पैर।
कोई न बना उसका दोस्त,
ले लिया सबने उससे बैर।।

एक दिन रास्ते में एक लड़की,
डूब रही थी नहर में।
कोई न बचाने उसको आया,
विपत्ति के उस पहर में।।

जान बचायी संजय ने उसकी,
बैसाखी का दिया सहारा।
दिखा दिया उसने सबको,
क्रि वह नहीं है कोई बेचारा।।

सबने उसका लोहा माना,
तारीफें मिली उसे तमाम।
संजय ने जो साहस दिखाया,
स्कूल से मिला उसे इनाम।।

उसके साहस के आगे देखो,
दिव्यांगता भी, रही नाकाम।
आत्मविश्वास था जो मन में,
उससे पाया उसने सम्मान।।

Moral --

बहादुरी एक वरदान है,
जो पड़ती सब पर भारी।
जब करती ये परोपकार किसी पर,
झुक जाती दुनिया सारी।।

मिशन शिक्षण संवाद काव्यरूप

Eng-VII

Lesson - 4

MR.GARBAGE & MRS.POLYTHENE

एक बार की बात है,
सुनो कहानी एक मज़ेदार।
कूड़े और पॉलिथीन ने लिया,
श्रीमान-श्रीमती का अवतार।।

अगर मिटटी में मुझे मिला दो,
मैं खाद बन दिखलाऊंगा।
खूब फलेगी फसल तुम्हारी,
प्रदूषण भी न फैलाऊंगा।।

मैंने कहा कूड़े से,
क्यों तुम इतने गंदे हो।
कभी सफाई नहीं करते क्या,
Sunday हो या Monday हो।।

बच्चों ये देखो पॉलिथीन,
ये कभी भी न होती नष्ट।
जानवर इसको खाकर मरते,
धरती को ये देती कष्ट।।

अपने मुँह मिया मिट्ठू बन,
हंस कर के कूड़ा बोला।
ऐसी वैसी नहीं मैं हस्ती,
माल है मुझमे कई तोला।।

वैसे तो घर मेरा है dustbin,
पर लोग कहीं भी देते डाल।
फटे कपड़े टूटे बर्तन,
मिल के बनाते मुझे मालामाल।।

Moral ----

बंद करो भाई बंद करो
प्लास्टिक का उपयोग
कहीं भी जाना हो तो सदा
कपड़े का थैला करो प्रयोग।।

मिशन शिक्षण संवाद काव्यरूप

Eng-VII

Lesson - 5

LITTLE BIRDIE

सुबह की ठंडी हवा में बोली,
घोंसले से नन्ही चिड़िया।
माँ मुझे भी उड़ना है,
माँ मुझे भी उड़ना है।

माँ बोली नन्ही चिड़िया से,
प्यारी तुम एक काम करो।
अभी पंखे कमज़ोर तुम्हारे,
कुछ दिन और आराम करो।।

सुनकर माँ की बात फिर,
बंद कर लिए उसने पंख।
करना है अभी इंतज़ार,
सोच के कर लीं आँखें बंद।।

मानव की संतान भी,
कुछ ऐसे ही माँ से बोली।
माँ अब मुझ को उठना है,
माँ अब मुझ को उठना है।।

अपने नन्हे-नन्हे पैरों से,
दूर-दूर तक चलना है।
रस्ता लम्बा मंज़िल है दूर,
बस आगे-आगे बढ़ना है।।

उठना है मुझे अम्बर तक,
अपनी पहचान बनाना है।
अपने पैरों पर खड़ा होकर,
ऊँचा सम्मान पाना है।।

माँ बोली बिटिया से पहले,
बन जाओ शहज़ादी मजबूत।
कर लो बुनियाद अपनी पक्की,
फिर तुम दौड़ लगाना खूब।।

Moral -
बचपन एक उपहार है
अवसर इसके हर क्षण में
खुद को बना लो शक्तिशाली
मात -पिता के संरक्षण में।।

Lesson - 6
THE GOOD CITIZEN

बनना है ज़िम्मेदार नागरिक,
हो बच्चा, बूढ़ा या जवान।
देश हमारा हम इसके हैं,
मिलकर बढ़ाएंगे इसकी शान।।

चली Rachel घूमने बाहर,
सीखा उसने शिष्टाचार।
चाची ने दी सीख उसे,
सदा रखो अच्छे विचार।।

यूँ ही न तोड़ो फूल बाग़ से,
ये चार चाँद लगाते हैं।
जब-जब देखे कोई उपवन,
सबके मन को हरषाते हैं।।

बाहर जब भी जाओ कहीं,
गंदगी तुम कभी न फैलाना।
कूड़ा न फेंकना इधर-उधर,
कूड़ेदान प्रयोग में लाना।।

साफ़ रखो सदा पड़ोस,
जैसे पार्क, स्कूल, अस्पताल।
बनना है आदर्श नागरिक,
इस बात का रखना ख्याल।।

बुजुर्गों की तुम करना मदद,
अपने हों या अनजाने।
प्यार करना हर जीव से,
तब ही सब तुमको अपना माने।।

Lesson - 7
THE RESPONSIBLE KING

एक था राजा ज़िम्मेदार,
कहता था वो बार-बार।
आलस है हम सबका दुश्मन,
परिश्रम जीवन का आधार।।

दुखी होता वो देख सड़क पर,
फैले यूँ ही कूड़ा पत्थर।
रोने लगता देख नदी में,
गंदगी बहती देख कर।।

सबक सिखाने को प्रजा को,
उस ने निकाली एक तरकीब।
थैला भरा सोने का गाड़ा,
गड्ढे में सड़क के बीचों बीच।।

पर सब निकल गए बच-बच के,
पत्थर किसी ने न हटाया।
राजा ने फिर तंग आकर,
खुद ही सबको वहां बुलाया।।

फटकारा राजा ने सबको,
अक्ल का अँधा बतलाया।
कोई न पा सका सोने का लाभ,
आलस ने सबको हराया।।

शर्मिंदा हुए सब देख कर,
पत्थर के नीचे दबा हुआ सोना।
कामचोरी है एक अभिशाप,
जिससे पड़ सकता है सब कुछ खोना।।

Lesson - 8
MAHATMA GANDHI

भारत की आज़ादी के संत,
गाँधी जिनका नाम है।
पिता करम चंद, माता पुतली,
गुजरात जन्मस्थान है।।

गाँधी कहते, बापू कहते,
और सब कहते राष्ट्रपिता।
राष्ट्रहित में सर्वस्व दे दिया,
बलिदानो की चढ़े वो चिता।।

गाँधी जी के अमृत वचन,
ये गाँठ बाँध लें सारे।
माता-पिता की सेवा करो,
जिनके हो तुम आँख के तारे।।

पूरा जीवन दिया राष्ट्र को,
ब्रिटिश शासन से हमें बचाया।
लोहे के चने उन्हें चबवाके,
भारत को आज़ाद कराया।।

कभी सत्याग्रह कभी दांडी मार्च
जैसे आंदोलन करवाए।
भारत छोड़ो-भारत छोड़ो,
कह-कह कर अंग्रेज़ भगाये।।

प्रेम त्याग की शिक्षा देकर,
अहिंसा का पाठ पढ़ाया।
राम-रहीम की धुन को गाकर,
सबमे भाईचारा फैलाया।।

Lesson - 9
THE SWING

प्यारे बच्चों झूलो तुम,
झूम-झूम के झूले को।
मन करता है रुके न झूला,
एक बार भी भूले को।।

हम आसमान छूते नीला,
जब-जब झूला ऊपर जाये।
कितना सुहाना लगता ये सब,
इतना मज़ा कहीं न आये।।

हवा से बातें करते हम,
दीवारों से ऊपर जाकर।
नदियाँ दिखतीं, दिखते मवेशी,
झोंका जब लेते लहराकर।।

हरे-भरे मैदान दिखाता,
आसमान की सैर कराता।
परीलोक जैसा लगता सब,
मन फूले नहीं समाता।।

Lesson - 10
CHANDRA SHEKHAR AZAD

नाम था चंद्र शेखर आज़ाद,
भारत का प्रेमी प्यारा था।
प्राण दिए आज़ादी की खातिर,
जो माँ की आँखों का तारा था।।

ग़ुलामी में सौभाग्य लिखने,
चला देश का वो जाँबाज़।
ज़िद थी आज़ादी उसकी,
आखिर नाम था उसका आज़ाद।।

मंजूर नहीं थी ब्रिटिश हुकूमत,
क्रोध उबलता था रग-रग में।
क्यों कोई राज़ करे फिरंगी,
भारत भूमि है जब रज-रज में।।

लोहा बन गया इरादों से वो,
ऑखें अंगार बरसाती थीं।
वो चंद्र शेखर आज़ाद थे,
जिनसे दुश्मन सेना घबराती थी।।

जान दी सम्मान की खातिर,
कोई क्या आज़ाद को मारेगा।
बलिदान कर दिया खुद अपना,
हर दिल आज़ाद पुकारेगा।।

आज़ादी का दीवाना था,
भारत का सच्चा परवाना था।
अल्फ्रेड पार्क में ली अंतिम सांस,
अंग्रेज़ों के हाथ नहीं आना था।।

शत बार नमन तुमको ऐ वीर,
ये मिट्टी ऋणी तुम्हारी है।
भारत की हर सांस में तुम,
युग-युग तक याद तुम्हारी है।।

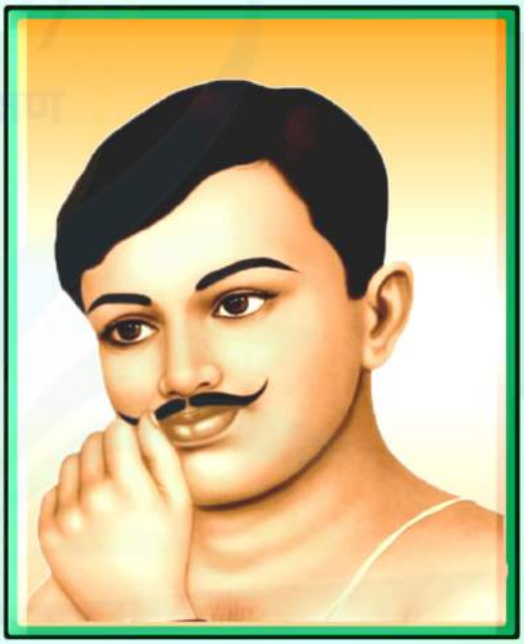

MORAL --
आओ मिल कर सब पुष्प चढ़ाएं,
आज़ाद के सम्मान में।
है हर भारतवासी नतमस्तक,
आज़ाद के उस बलिदान में।।

Lesson - 11
A COURAGEOUS ACT

गांव में एक बार आयी बाढ़,
हर तरफ था हाहाकार।
सब कुछ डूबने लगा पानी में,
होने लगा जन जीवन बेकार।।

गायत्री ने तब हिम्मत दिखाई,
आगे बढ़कर नाव चलायी।
खुद का घर डूबा था आधा,
फिर भी सब पर दया दिखाई।।

कपड़े खाना जो बचा था,
अपने घर से लेकर आयी।
ज़रूरत पूरी की लोगों की,
बिल्कुल भी वो न सकुचाई।।

सुनो काम की सब एक बात,
पाठ हमारा देता सीख।
मुसीबत जो लेता हिम्मत से काम,
मिलता उसे ईश्वर का आशीष।।

हो जाये कितनी भी मुश्किल,
या विपत्ति का हो वक़्त।
घबराना नहीं रखना साहस,
परिस्थिति चाहें कितनी हो विपरीत।।

तुरंत तरकीब लगाना कुछ,
मन से कभी न घबराना।
हर समस्या का हल होता,
ये तुम कभी भूल न जाना।।

Moral ----
विपत्ति कितनी हो बड़ी
हिम्मत ही उसका उपचार।
मन साहस से भर लो तुम
करुणा का वहां करो श्रृंगार।।

Lesson - 12
KABIRDAS

कबीर दास की सुनो वाणी,
ये थे कवि संत महान।
गाते गीत प्यार के,
समाज सुधार में रहता ध्यान।।

हज़ारों कवितायेँ लिखीं,
हज़ारों उनके शिष्य बने।
धर्म जाति का पता नहीं पर,
ईश्वर की आवाज़ बने।।

शीतल बोलो प्यारा बोलो,
मांगो सबकी खैर।
कबीरा सदा ही मांगे यही,
करो न किसी से बैर।।

कबीर माने अल्लाह को,
कबीर पुजारी राम के।
एक-एक वचन सुनो कबीर के,
बच्चों वो सारे काम के।।

हिन्दू-मुस्लिम कभी ना झगड़ें,
यही सन्देश कबीर का।
हम सबकी खोली आँखें,
कर्म किया एक वीर का।।

Moral -----
मन में प्रेम और भाईचारा रहे कभी न करें द्वेष।
हर इंसान दया भाव रखे,यही कबीर का सन्देश।।

Lesson - 13
THE ADORABLE MOTHER

माँ तुम जैसा कोई नहीं
माँ तुम ही मेरी आस हो।
शत बार नमन भगवन को
जो माँ तुम मेरे पास हो।।

दिन की तुम सुन्दर धूप हो
पेड़ों की ठंडी छाया।
रातों की प्यारी चाँदनी
हर मुश्किल में मेरा साया।।

माँ ने मुझको जीना सिखलाया
क्या सही क्या गलत बताया।
माँ का हर एक शब्द गीत है
माँ से ही मेरा जीवन संगीत है।।

सिर्फ माँ है जो क़द्र करती है
दुनियादारी में मदद करती है।
माँ हर एक जख्म पहचानती है
जो छुपाते हम वह जानती है।।

माँ पूरा देती साथ मेरा
चाहें कैसा मेरा हाल है।
क्या बिगड़ेगा कुछ मेरा
जब माँ ही मेरी ढाल है।।

माँ ही मित्र माँ ही ह्रदय
माँ ही तुम मेरी संसार हो।
धड़कन में बसती हो मेरी
तुम मेरे ह्रदय का प्यार हो।।

MORAL -
बचपन होता है माँ से ही,हर जिद माँ से ही पूरी हो।भगवान् करे माँ हो सबके पास,किसी की भी माँ से न दूरी हो।।

LESSON-14
FLORENCE NIGHTANGLE

दया की मूर्ति थीं FLORENCE NIGHTINGALE.
NURSE बनके सेवा धर्म निभाया।
मरीज़ों की सेवा करतीं मन से,
मानवता का सारा फ़र्ज़ निभाया।।

सेवा करने की आज्ञा दी उन्हें,
ईश्वर ने खुद किया प्रकट,
आदेश प्रभु का माना FLORENCE ने,
समस्या हो चाहे कोई निकट।।

डट कर की medical की पढ़ाई,
नर्सिंग को दिया नया आयाम।
अस्पतालों में रही मरीज़ों के साथ,
सबको दिए अपने सुबह और शाम।।

गंदे रहते थे अस्पताल,
सफाई का सबको महत्त्व बताया।
खुद लगकर साफ़ किया सब कुछ,
INFECTION का सबको खतरा समझाया।।

FLORENCE का उद्देश्य बन गया,
सबको रखना स्वस्थ और प्रसन्न।
दिल पसीजता उनका देख दर्द,
सारा जग रह गया था सन्न।।

ममता भरी थी हृदय में
देखभाल उनका काम था।
सदा रखती थीं TORCH हाथ में
LADY WITH THE LAMP उनका नाम था।।

MORAL –
FLORENCE थीं महान नर्स,जिन्होंने नर्सिंग का अलख जगाया।आवश्यकता थी मरीज़ों को उनकी,अपना पूरा फ़र्ज़ निभाया।।

LESSON-15
FLORENCE NIGHTANGLE

भटकते देखो मुसीबत में जब,
मजबूर लाचार बन्दों को।
प्रेरणा बन कर सहायता करो,
बदल डालो उनके जीवन को।।

RUBINA एक छोटी सी छात्रा,
पिता हो गए उसके बीमार।
नौकरी भी उनकी छूट गयी,
इलाज़ को हो गए लाचार।।

परिवार में अति गरीबी थी,
माँ ने संभाली फिर बागडोर।
रुबीना की भी छूटी पढ़ाई,
टूटी घर की इक-इक डोर।।

तब फरिश्ता बनकर TEACHER ने,
रुबीना की माँ को समझाया।
राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना का,
लाभ क्या है बतलाया।।

मुफ्त इलाज़ हुआ पिताजी का,
इस योजना को अपनाकर।
BOARDING स्कूल से शिक्षा प्राप्त की,
रुबीना ने आगे बढ़कर।।

बनकर डॉक्टर रुबीना ने,
JOIN किया फिर HEALTH CENTRE.
खोला स्कूल बच्चों के लिए,
एक आदर्श नागरिक बनकर।।

MORAL -
FLORENCE थीं महान नर्स,जिन्होंने नर्सिंग का अलख जगाया।आवश्यकता थी मरीज़ों को उनकी,अपना पूरा फ़र्ज़ निभाया।।

LESSON-16
SAVE WATER SAVE LIFE

जल तृप्ति है तृष्णा की,
जल जीवन का आधार है।
सृष्टि का संचालन जल से,
जल अमृत निराकार है।।

जल मिलता है मुश्किल से,
समझो और दिल से मानो।
प्यास तड़पाती बिन पानी,
देखो इसकी कीमत जानो।।

तालाब कुँए और खेत भरे,
जल संचय के यह साधन।
मिटटी, पौधे, जानवरो के,
जीवन के यह संसाधन।।

कभी न काटो पेड़ कोई,
यह वर्षा करवाते है।
जन जन के मन को हर लेते,
धरती की प्यास बुझाते है।।

क्या होगा कभी जो सोचो,
जब फसलें भी पैदा न होंगी।
भूखा, प्यासा होगा हर प्राणी,
साँसे धरती पर न होंगी।।

जनसंख्या वृद्धि को रोको,
जल की कम होगी तभी खपत।
हर बूँद बचाना है हमको,
जल की होगी तब ही बचत।।

Water Conversation Program.
जल जागरूकता का अभियान है ।
नदियों पर संचय का साधन,
बस बांधो का निर्माण है।।

LESSON-17
I LOVE NATURE

आओ मिल देखे ज़रा,
यह प्रकृति कितनी सुन्दर है।
खुशबू हवा और हरियाली,
हर रंग इसके अंदर है।।

सुबह की सुन्दर गरिमा में,
पंछी सब चहचहाते है।
पैदा होते ही सब PUPPIES.
बस उठ खड़े हो जाते है।।

फूलों की है सुगंध सुहानी,
और शहद मधुरस से भरा।
क्या मन मोहक आवाज़ है देती,
जब गुज़रे पेड़ों से हवा।।

जब चमचमाती धूप में,
आकाश चमकता सुनहरा।
बारिश में वही आकाश देखो,
नीला हो जाता मस्त भरा।।

लहरें सागर की इतराती,
तब रेत भी उड़ने लगती है।
संग झूमें नाचे दुनिया भी,
सबके मन को हर लेती है।।

ढलता सूरज देता है शाम,
तब चाँद चाँदनी देता है।
इन अनुपम लीलाओं से,
जग आनंदित होता है।।

सौ बार नमन हे ईश तुम्हे,
हमको धरती पर आश्रय दिया।
है कोटि कोटि प्रणाम तुम्हे,
इतना अनुपम सौंदर्य दिया।।

MORAL -

प्रकृति का कण-कण प्यारा,सुंदरता इसकी अनुपम है।
दायित्व हमारा इसको संभालें,है जो प्रकृति तभी हम हैं।।